श्री गुरुवै नमः

बसंत महोत्सव 2025

जयपुर

दिव्य सान्निध्य

"सिद्धगुरु"

श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर

जिनकी एक दृष्टि ही जीवन की दिशा व दशा दोनों बदल देती है।

श्री गुरुवे नमः

अनुभवी के अनुभव का अनुभव करें

महात्म्य सिद्धगुरु का

वर्तमान युग में इस धरा पर सर्वोत्तम सिद्धियों से सिद्ध एक अवतरित **'सिद्धगुरु' श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर** जिनके आभामंडल में आने मात्र से ही शक्ति का रुपान्तरण हो जाता है, जो भाग्य पढ़ते ही नहीं, भाग्य दाता भी हैं, भाग्य बदलते भी हैं।

सौम्य साधारण व्यक्तित्व योगविभूति **श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर** ने न केवल सांसारिक शिक्षा में सर्वोत्तम स्थान पर महारथ व विद्वता प्राप्त की अपितु आध्यात्मिक क्षेत्र में भी आगम, वेद, पुराण, उपनिषद और बहुत सारे पवित्र दैविक शास्त्र (Holy Scriptures) का अध्ययन किया। संस्कृत के साथ साथ ज्योतिष में भी डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। **'सिद्धगुरु' ब्रह्मर्षि गुरुवर** ऐसे महायोगी हैं जिनकी जन्म से ही कुंडलिनी के सातों चक्र जागृत हैं तथा विष्णु लोक, शिव लोक व ब्रह्म लोक को प्राप्त कर ब्रह्मर्षि, सिद्धेश्वर व अरिहन्त हो गये हैं।

श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर ने गहन तप–साधना के द्वारा अष्ट सिद्धियों (Eight Supernatural divine powers) (अणिमा, महिमा, गरिमा, लछिमा, प्राप्ति, प्रारकाम्या, देशत्व, वस्तव) को सिद्ध किया, इस दुनिया में इतनी बड़ी शक्ति सिर्फ विष्णु, शिव और हनुमान जी में थी। नव निधियों (Nine divine treasures) (महापद्म निधि, पद्म निधि, शंख निधि, मकर निधि, कच्छप निधि, मुकुंद निधि, नन्द निधि, नील निधि, खर्व निधि) जिनके देव कुबेर हैं को प्राप्त कर सिद्धेश्वर हो गये।

यह प्राप्त करना इस कलियुग में असंभव सा है। सालों साल बिना अन्न जल के अपनी साधना सिद्धि में ही रहते हैं। उनकी इन अनंत शक्तियों का शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। ऋषि मुनियों की पुरातन सिद्धियाँ जो प्रायः लुप्त हो गई थी उन मंत्र शक्ति एवं तंत्र सिद्धियों और शक्तियों को खोजा उन्हें पुनः सिद्ध किया और आज भी निरन्तर अपनी साधना व तपस्या से नई नई सिद्धियों को खोज कर पुनः सिद्ध कर रहे हैं।

श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर इस धरा के एक ऐसे अलबेले संत जिन्होंने अष्ट सिद्धियों एवं नव निधियों को प्राप्त किया है व समस्त सिद्धियों का उपयोग संसार के कल्याण हेतु कर रहे है। मानव जाति के प्रति उनकी सेवाएं असीम है। स्वधर्म के अंतर्गत भक्तों के कर्म कटवाते हुए आध्यात्मिक यात्रा की ओर अग्रसर करते हैं, योग, प्राणायाम, ध्यान, साधना, व्रत, तप के द्वारा भक्तों के जीवन को रूपांतरित कर देते हैं।

परधर्म के अंतर्गत सेवा कार्यों से गरीब, दलित, अवांछित एवं शारीरिक अस्वस्थता से ग्रस्त लोंगों को उनकी दुख, पीड़ा, तकलीफों से ऊपर उठा कर, गले लगा कर अपनाते हुए, यथाशक्ति संभावित ईलाज़ करवाते हैं, गाँवों में पानी की व्यवस्था करवाते हैं, एवं हज़ारों लाखों कों शिक्षा के द्वारा सशक्त व सक्षम बना रहे हैं। वे एक ऐसे मसीहा हैं जिनके प्रेम, वात्सल्य व करुणा की सरिता ने हज़ारों हज़ारों भक्तों के मुरझाए हुए चेहरों को नई मुस्कान देकर नया जीवन दिया है। अनन्त आत्माओं को शुद्ध करने उनमें चैतन्य को विकसित करने उनकी आत्मा को ऊपर उठा कर शक्तिशाली बना के वे भक्तों की रक्षार्थ अपनी साधना की शक्ति से पल में उन तक पहुँच जाते हैं क्योंकि योग साधना के अधीन सब कुछ संभव है। वास्तव में नरदेह में **'ईश्वरीय शक्ति'** हैं। इस आरा में ऐसे 'सिद्धगुरु' का सान्निध्य मिलना हम सबका अहोभाग्य है। वे कितने भाग्यवान हैं जो उस युग के शिव, बुद्ध, महावीर, कृष्ण, राम, नानक के साथ रहें हैं अब भी पहचान लें।

श्री गुरुवै नमः

LEARN • SERVE • ASPIRE

Vishwa Dharma Chetana Mancha
Sri Brahmarishi Ashram
Tirupati, India

बसंत महोत्सव 2025

जयपुर

दिव्य सान्निध्य

''सिद्धगुरु''

श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर

जिनकी एक दृष्टि ही जीवन की दिशा व दशा दोनों बदल देती है।

सोमवार, 10 फरवरी 2025 । सांय 4:30 बजे से

गुरू दर्शन, गुरू आशीर्वाद एवं कल्याणकारी प्रार्थनाएँ

बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल, जयपुर

इस महिमामयी तिथि पर आप सभी सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित है

कार्यक्रम के पश्चात् प्रसाद अवश्य ग्रहण करें।

आयोजक : विश्व धर्म चेतना मंच - जयपुर केंद्र

श्री सिद्धेश्वर तीर्थ - ब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति

संपर्क सूत्र :9314662132 , 9828777230 , 9414241050

शांति एवं अहिंसा के अग्रदूत **श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर** देश विदेश में घूम घूम कर ऐसे समाज, राष्ट्र एवं विश्व के निर्माण में संलग्न हैं जहाँ किसी भी प्रकार का जातिवाद, सम्प्रदायवाद नहीं है सिर्फ मानवता है। **'सिद्धगुरु' ब्रह्मर्षि गुरुवर** का मानना है 'पक्ष और पंथ' का धर्म से कोई प्रयोजन नहीं है। सद्गुरु पंथ नहीं पथ दिया करते हैं, अध्यात्म के आकाश में उड़ने की कला सिखाते हैं, स्वधर्म व परधर्म के द्वारा परिवार से परमात्मा तक की यात्रा करवाते हैं ताकि हमारा जीवन अर्थपूर्ण बनें, उदाहरण स्वरुप बनें।

निःसन्देह **श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर** की एक दृष्टि एवं दुर्लभ व विस्मयकारी प्रार्थनाएँ, सिद्धित मंत्रों का महाआशीर्वाद हमारे जीवन की दिशा व दशा दोनों बदल सकता है – बशर्ते कि हमारा विश्वास, हमारा समर्पण, हमारा संकल्प शत प्रतिशत हो।

अल्प विश्वास आपको स्वर्ग तक ले जा सकता है परन्तु सम्पूर्ण विश्वास स्वर्ग को ही आपके द्वार पर ले आता है।

'सिद्धगुरु' ब्रह्मर्षि गुरुवर का सन्देश

"अपनी आत्मा को ऊपर उठाओ, शक्तिशाली बनाओ, दैविक बनाओ। तुम सब भगवान् के भेजे हुए ईश्वरीय दूत हो। तुम जन्म से ही विजेता हो और जन्मे ही हो जीतने के लिए। मैं तुमसे ही लोक और परलोक दोनों जितवाते हुए तुम्हे मुक्त भी करवाऊंगा। जीवन को ऐसे जियो कि यह जीवन औरों के लिए और आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श बन जाए। **जीवंत जीवन जियो**"

'सिद्धगुरु' ब्रह्मर्षि गुरुवर के उपदेश

'शिक्षा, सेवा, साधना' Learning, Earning and Returning
यही हमारा जीवन है।

जीव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। धर्म ही सेवा है, सेवा ही पूजा है। ''स्व'' को ऊपर उठाओ और ''औरों'' के जीवन को उठाने में प्रेरक और सहयोगी बनो। यही है 'स्वधर्म' और 'परधर्म'।

जीवन में संयम, अहिंसा, तप, दर्शन और चरित्र (कर्म) का सुन्दर समन्वय होना चाहिए ताकि हमारा जीवन आत्मदर्शन का बने प्रदर्शन का नहीं।

''मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है''

गुरु चरणों में जो भी आए उसके ही हैं भाग्य बड़े !

LEARN • SERVE • ASPIRE

Vishwa Dharma Chetana Manch
Sri Brahmrishi Ashram
Tirupati, India

Vishwa Dharma Chetana Manch, Sri Sidheshwar Tirth - Brahmrishi Ashram
R.C. Road, C. Ramapuram, Ramachandrapuram Mandalam, Tirupati - 517561. India.
Contact: +91 72078 11011, +91 98666 22049, +91 63014 84479
Email: contact@sribrahmrishiashram.org • URL: www.sribrahmrishiashram.org